वर्ष - 01 | विशेषांक | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - शुक्रवार, 15 अगस्त 2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 5

RNI No. : RJHIN/25/A0890

भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

फोटो साभार - शशांक तम्बोली (मांडलगढ़)

मांडलगढ़ किले पर लहराता तिरंगा - वीरता, विरासत और आज़ादी का प्रतीक'

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

राजस्थान के भीलवाड़ा ज़िले में स्थित मांडलगढ़ किला, 15वीं शताब्दी में मेवाड़ के शासकों द्वारा निर्मित, वीरता और संघर्ष की अमर गाथाओं का साक्षी है। बनास नदी के किनारे बसा यह दुर्ग कभी मेवाड़ की रक्षा पंक्ति का अग्रदूत था। राणा कुंभा से लेकर अकबर और मराठों तक, इस किले ने कई आक्रमणों और संघर्षों के दौर देखे। इसकी ऊँची-मोटी दीवारें आज भी उन रणभूमियों की कहानियां सुनाती हैं, जहाँ से मेवाड़ के वीरों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए तलवारें उठाईं।

आज, इसी ऐतिहासिक दुर्ग पर तिरंगा लहराता है—शान से, अभिमान से, और उस अदम्य साहस की याद दिलाता है जिसने हमें गुलामी से मुक्त कराया। किले की ऊँचाई से जब हम नज़र डालते हैं, तो एक ओर फैली हरियाली और दूसरी ओर बसी आबादी दिखाई देती है—मानो प्रकृति और प्रगति दोनों इस तिरंगे के साये में एकजुट हों।

स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर मांडलगढ़ किला सिर्फ़ एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि हमारी आज़ादी की यात्रा का जीवंत प्रतीक है। यहाँ लहराता तिरंगा हर राहगीर को याद दिलाता है कि यह स्वतंत्र हवा, यह खुला आसमान और यह गर्व—हमारे पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान का फल है।

कंटेंट - कपिल श्याम विजय

बिजौलिया का स्वाभिमान और पथिक की अमर गूँज

आजादी की लड़ाई का वह पन्ना, जिसे इतिहास की धूल ने ढक दिया

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

कपिल श्याम विजय

आज जब हम आज़ादी की 79 वा स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, तो हमें उन सेनानियों का कृतज्ञ होना चाहिए, जिन्होंने हमें गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया। आज़ादी का संघर्ष कई रूपों में और कई मोर्चों पर लड़ा गया। आज़ादी की एक क्रांति बिजौलियां में भी चली और उसके महान सेनानी विजय सिंह पथिक को हम विस्मृत नहीं कर सकते, जिन्होंने अन्याय के विरुद्ध एक सफल आंदोलन का नेतृत्व किया।

1852 में बुलंदशहर में जन्मे भूप सिंह को देशभक्ति का जज़्बा अपने पिता हनुमान सिंह से विरासत में मिला था। ब्रिटिश हुकूमत ने लाहौर षड्यंत्र में जब उन्हें दोषी ठहराया, तो उन्होंने भूमिगत होकर अपना नाम विजय सिंह रख लिया।

86 प्रकार के लगान और बेगार प्रथा के विरुद्ध किया नेतृत्व -

क्रांतिकारी पथिक जब बिजौलियां क्षेत्र में आए, तो उन्होंने देखा कि मेवाड़ रियासत के बिजौलियां ठिकाने में किसान आंदोलन कर रहे थे। ठिकाने ने किसानों पर तरह-तरह की लगान लाद रखी थी। 1916 में, उन्होंने किसानों पर लगाए गए 86 प्रकार के लगान और बेगार प्रथा के विरुद्ध चल रहे आंदोलन का नेतृत्व अपने हाथ में लिया। किसानों को संगठित करते हुए किसान सभा का गठन किया और लगान न देने के लिए पाबंद करते हुए सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की। इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की।

राजस्थान के गांधी की क्रांति की धुंधली हुई तस्वीर -

पथिक के नेतृत्व और प्रयासों से लंबे संघर्ष के बाद अंततः बिजौलियां ठिकाने को किसानों के आगे झुकना पड़ा। विजय सिंह पथिक ने आज़ादी के आंदोलन में लेखक और विचारक के रूप में भी अहम भूमिका निभाई। बिजौलियां किसान आंदोलन का जिक्र होते ही पथिक का नाम सबसे पहले जेहन में आता है। देश का पहला सफल किसान आंदोलन उनके नेतृत्व में ही हुआ, लेकिन आज वही महान सेनानी भुलाए

जाने लगे हैं । राजस्थान के गांधी के रूप में पहचान बनाने वाले पथिक को बिजौलियां में बस राष्ट्रीय पर्वों पर ही याद किया जाता है। यहाँ उनकी क्रांति की तस्वीर अब धुंधली सी होने लगी है ।

हालांकि, यहां के खेल प्रेमियों ने पथिक के नाम पर क्लब बना रखा है, कॉलेज और एक पार्क भी उनके नाम से है, लेकिन इतने बड़े सेनानी के लिए यह पर्याप्त नहीं है। पथिक पार्क में उनकी केवल एक छोटी सी प्रतिमा है, जो अतिक्रमण एवं अव्यवस्थाओ की चपेट में है। कई संथाओं और समाजों ने बड़े आयोजनों में पथिक के नाम पर घोषणाएं कीं, पर कोई भी धरातल पर नहीं उतरी।

पत्रकारिता को सिर्फ़ सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि संघर्ष का हथियार माना -

पथिक ने राजस्थान केसरी नाम से पत्रिका का संपादन किया, ÷नव संदेश÷ अख़बार और अन्य पत्र-पत्रिकाओं में क्रांतिकारी लेख लिखे। अफ़सोस, उनके साहित्य का कोई संग्रह आज यहां उपलब्ध नहीं है, और नई पीढ़ी उनसे अनजान हो गई है। जबकि उनके लेखन ने बिजौलियां किसान आंदोलन को राष्ट्रीय पटल पर लाने में बड़ी भूमिका निभाई। कलम की ताक़त से ब्रिटिश शासन के खिलाफ़ जनमत तैयार करने का साधन बनाया। पत्रकारिता को उन्होंने सिर्फ़ सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि संघर्ष का हथियार माना। लेकिन जिस क्रांतिकारी ने बिजौलियां को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई, आज उसी सपूत को बिजौलियां ने बिसरा दिया है। लोगों का कहना है कि यहां पथिक की बड़ी प्रतिमा लगनी चाहिए, सार्वजनिक पुस्तकालय में उनकी और उन पर लिखी पुस्तकें रखी जाएं, 28 मई को उनकी पुण्यतिथि पर हर वर्ष आयोजन हो। राज्य सरकार विद्यालय के पाठ्यक्रम में उनकी जीवनी और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को शामिल करे, ताकि आने वाली पीढ़ी ऐसे महान व्यक्तित्व से परिचित हो सके।

श्रावण मास में पधारे सभी क्षेत्रवासियो के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं सहित स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

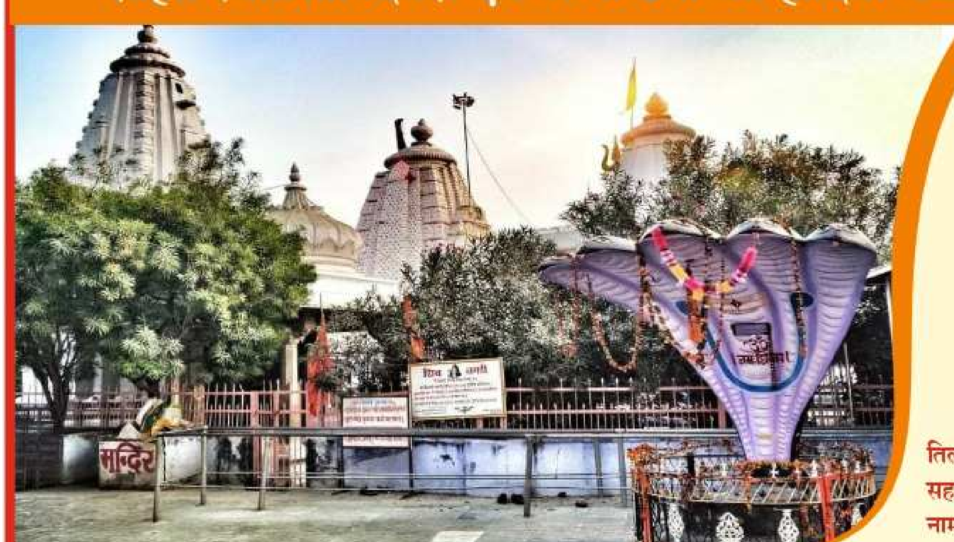

श्रद्धालुओं से विनम्र अपील
» मंदिर परिसर में गंदगी न करें।
» वातावरण को स्वच्छ बनायें।
» कुंड में गंदगी न फैलायें, साबून लगाकर नहाएं नहीं एवं कपड़े न धोएं।
» मंदिर परिसर में शांति बनाये रखें एवं दर्शन हेतु कतार में रहें।
» दानदाता दान पेटी में ही डालें एवं मंदिर ट्रस्ट से रसीद प्राप्त कर सकते हैं।
» जेब कतरों से सावधान रहें। » भीड़ में बच्चों को अकेले ना छोड़ें।
» परिसर में अवैध निर्माण न करें। » वाहन नियत पार्किंग में वाहन खड़ा करें।

तिलस्वा महादेव मंदिर ट्रस्ट के कोरम में कोई भी प्रस्ताव लिया जाता है तो ऊपर माल किसान पंचायत की सहमति से माना जाएगा, मंदिर ट्रस्ट की जगह पर बिना मंदिर कमेटी के निर्माण नहीं करें आवेदन अध्यक्ष के नाम करें कमेटी निर्णय एवं किसान पंचायत के निर्णय के बाद ही निर्माण की अनुमति दी जाएगी

इंजि. कन्हैयालाल धाकड़
पूर्व जिला प्रमुख
एवं संरक्षक तिलस्वा महादेव मंदिर ट्रस्ट

मांगीलाल धाकड़
(बीमा एजेन्ट) महासचिव-
तिलस्वां महादेव मंदिर ट्रस्ट

रमेश अहीर
अध्यक्ष - तिलस्वां
महादेव मंदिर ट्रस्ट

ऑनलाईन भुगतान हेतु बैंक खाता विवरण- Bank Name- AU Bank Bijoliya, A/c No. 1881223220460747
Shree Tilaswa Mahadev Mandir Trust
IFSC CODE: AUBL000232

निवेदक :- समस्त ट्रस्टीगण एवं नागरिकगण,
श्री तिलस्वां महादेव मंदिर ट्रस्ट, तिलस्वां जिला भीलवाड़ा

बिजौलियां पार्श्वनाथ तीर्थः भगवान के केवल ज्ञान की धरा, जैन समाज की अंतरराष्ट्रीय आस्था का केंद्र

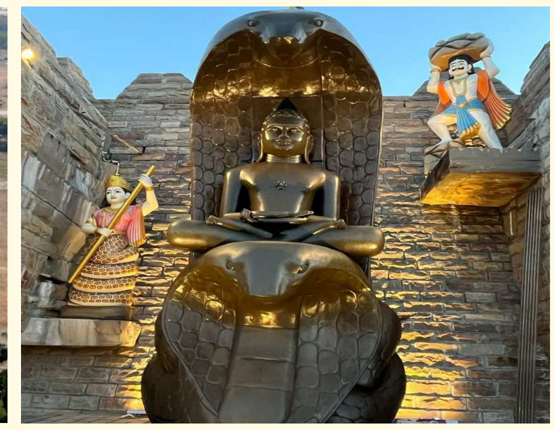

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलियां

बिजौलियां अपनी अनेक विशेषताओं के लिए पहचाना जाता है लेकिन जैन धर्म के 23 वें तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ के तप और ज्ञान कल्याणक के चलते यहां का पार्श्वनाथ तीर्थ क्षेत्र जैन समाज में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने लगा है। यूं तो पहले पार्श्वनाथ के तप और कैवल्य ज्ञान के लिए उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में अहिक्षेत्र को जाना जाता था लेकिन बिजौलियां के प्राचीन शिलालेख, भीमा वन व रेवा नदी पर ध्यानस्थ पारसनाथ पर उनके पूर्व जन्म के बैरी कमठ द्वारा किए गए उपसर्ग में बरसाई गई? शिलाएं,जिनसे ध्यानस्थ पारसनाथ की रक्षा यक्ष देवी देवता धरणेन्द्र पद्मावती ने अपना फन फैलाकर की,आज भी विद्यमान है।? इन शिलाओं के अवशेषों को प्रमाण मानते हुए 1984 में यहां इतिहासकारो,पत्रकारों व जैन विद्वानों ने अपनी संगोष्ठी में बिजौलियां को ही भगवान पार्श्वनाथ की तप, उपसर्ग निवारण और केवल ज्ञान स्थली होने की पुष्टी की।

प्राकृत भाषा में उत्कीर्ण यहां के दो प्राचीन शिलालेख बिजौलियां के इतिहास की जानकारी भी देते हैं। 12 वी शताब्दी मे यहां उज्जैन के श्रावक लोलार्क ने मंदिर बनाया। यहां के कुंड बावड़ी का पानी भी चमत्कारिक बताये जाते है।

पांच दशक पूर्व तक यह तीर्थ अपनी पहचान नहीं बना पाया लेकिन 80 के दशक में स्थानीय जैन समाज ने प्रयास शुरू किये। समाज के महिला पुरूष और युवाओं ने स्वयं परिश्रम करके इसको निखारना शुरू किया।? नब्बे के दशक में यहां 51 फीट ऊंचा मानस्तम्भ बना। साधु संतों की प्रेरणा से समाज ने भामाशाहों का सहयोग लेकर विशाल चौबीसी जिनालय और पटवारी परिवार ने समवशरण मंदिर का निर्माण कराया। फ़रवरी 1998 में आचार्य वर्धमान सागर व आर्यिका विशुद्ध मति के सानिध्य में ऐतिहासिक पंचकल्याणक होने से इस तीर्थ ने भारत में अपनी पहचान बनाई।

21 वी सदी की शुरुआत से ही इस तीर्थ की कायापलट शुरू हो गई। वर्ष दो हजार में मुनि पुंगव सुधा सागर का यहां आगमन हुआ। उन्होंने यहां के वास्तु दोष का निवारण कर तीर्थ क्षेत्र कमेटी को जरुरी निर्देश दिए। बाद में यहां गणधर मंदिर,संत शाला,प्रवचन हॉल, भोजनशाला और धर्मशाला के काम शुरू हुए। वर्ष 2002 में उन्होंने पंचकल्याणक महोत्सव कराया और कमेटी को दीर्घ कालीन योजना पर काम करने को कहा। देश के हर कौने से यहां जैन धर्मावलंबी आने लगे। वर्ष 2007-08 में यहां केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का विद्यालय प्रारंभ हुआ तथा भगवान पार्श्वनाथ के बड़े मंदिर सहित अन्य योजनाएं भी आकार लेने लगी।

मुनि पुंगव के लगातार दो चातुर्मास

वर्ष 2019 में एक बार फिर तीर्थ को निर्यापक संत,तीर्थ जीर्णोद्धारक मुनि पुंगव सुधा सागर जी के चातुर्मास का सौभाग्य मिला। मुनि पुंगव ने तीर्थ क्षेत्र की रेवा नदी पर एक नयी कल्पना को साकार रुप देना शुरू किया। देश में पहली बार गगन विहारी पारसनाथ की प्रतिमा बनी। शिलालेख के निकट चतुर्मुखी पारसनाथ और कमठकृत उपसर्ग व धर्णेन्द्र पद्मावती द्वारा उसके निवारण करती प्रतिमाओं का गुफा मंदिर बनवाया। वर्ष 2020 में कोरोना के चलते मुनि संघ का विहार नहीं हो सका। शायद यह होना इस तीर्थ का अहोभाग्य था। मुनि श्री के नये प्रकल्पों का एक बार उन्हीं के करकमलों से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ जिसमें एक साथ अनेक नयी योजनाओं की घोषणा हुई। बालिकाओं के लिए अलग विद्यालय,गौशाला, आधुनिक धर्मशाला के साथ सहस्त्र कूट जिनालय और नंदीश्वर द्वीप की रचना के शिलान्यास हुए। 1008 प्रतिमाओं का सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण लगभग अंतिम चरण में हैं। बालिका विद्यालय का अलग भवन, विशाल धर्मशाला व आधुनिक फ्लेट भी बन गये है।? अन्य कार्य भी प्रगति पर है।

प्रतिदिन होता है टीवी पर प्रसारण

मूल नायक बड़े बाबा के मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ की विशाल पद्मासन प्रतिमा पर शांतिधारा व अभिषेक का जैन चैनल जिनवाणी पर सीधा प्रसारण होता है जिसमें देश विदेश के पुण्यार्जक परिवारों के नाम से शांतिधारा की जाती है। वर्ष भर यहां विधान व भक्तामर आरती होती है। यह तीर्थ जैन समाज में अब अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। प्रतिदिन यहां जैन धर्मावलंबियों का आगमन होता है । प्रतिवर्ष भगवान का केवल ज्ञान दिवस मनाया जाता है।

कंटेंट - रेणु कमलेश सोनी
फोटो - रमेश गुर्जर

श्री धरणीधर भगवान जन्मोत्सव पर विशाल वाहन रैली, 500 वाहनों में 5 हजार से अधिक समाजजन शामिल

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला

श्री धरणीधर भगवान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुवार को धाकड़ समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा व वाहन रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ भगुनगर स्थित देवनारायण मंदिर परिसर से हुआ, जहां अल्पाहार वितरण के बाद श्री धाकड़ महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर कन्हैया लाल धाकड़ एवं प्रदेशाध्यक्षा महिला इकाई दीपशिखा धाकड़ ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। वाहन रैली काछोला, धामनिया, मानपुरा, त्रिवेणी, मांडलगढ़ होते हुए त्रिवेणी संगम पर महादेव मंदिर परिसर पहुँची। यहाँ धर्मशाला में भोजन प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मार्ग में काछोला में बिस्योर सैनिक कैंटीन संचालक रामपाल धाकड़ (फौजी) की ओर से जलपान तथा ग्रामवासियों की ओर से फल वितरण किया गया। इस अवसर पर करीब 500 वाहनों – बाइक, कार व ट्रैक्टर – में सवार होकर लगभग 5 हजार धाकड़ समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम में श्री धाकड़ महासभा एवं धाकड़ समाजजन मांडलगढ़, भीलवाड़ा से भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति रंगों में डूबी सांस्कृतिक संध्या

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

नगर निगम के महाराणा प्रताप सभागार में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। स्कूली विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और लोक संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियों से माहौल देशभक्ति रंग में रंग दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू सहित अधिकारियों ने दीप प्रज्वलन से किया। राबाउमावि गांधीनगर, मालाव महिला आश्रम, पुलिसलाइन शेमरॉक, एनवीएन, सोफिया, राउमावि सुभाषनगर, राजेंद्र मार्ग, मयूर इंटरनेशनल, गुलमंडी, एमपीएस, द माउंटेन एकेडमी और विट्ठी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। अधिकारियों ने बालक-बालिकाओं की देशभक्ति भावना और ऊर्जा की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

QUICK BITES

बिजोलिया में उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह, 101 प्रतिभाओं का होगा सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया

(**मानव तिवाड़ी**) । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को आयोजित होने वाले उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में 101 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। उपखण्ड अधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि सम्मान पाने वालों में 69 स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल हैं, जिन्होंने शिक्षा, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।
इसके अलावा 32 अन्य समाजसेवी, चिकित्सक, पत्रकार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, अध्यापक और सफाईकर्मी भी समारोह में सम्मानित होंगे। कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस की थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, देशभक्ति गीत भी आयोजित होंगे ।

बिजौलिया पुलिस ने चेन स्नैचिंग व बाइक चोरी का किया खुलासा, 6 आरोपी परेड के साथ कोर्ट में पेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

बिजौलिया थाना पुलिस ने 2 अगस्त की चेन स्नैचिंग और 29 अप्रैल की बाइक चोरी का खुलासा करते हुए कस्बे के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गुरुवार को आरोपियों को ÷मैं बाइक चोर हूं, मैं चेन चोर हूं और मैं मास्टरमाइंड हूं लिखी तख्तियां गले में डालकर थाने से न्यायालय तक पैदल परेड कराई गई। चेन स्नैचिंग में रवि सोनी, अश्विनी उर्फ काकू वैष्णव और मास्टरमाइंड आयुष लक्षकार, जबकि बाइक चोरी में अरुण धोबी, ऐजाज मोहम्मद और मोहम्मद जाहिद को पकड़ा गया। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना है।

जोगणिया माता मंदिर तिरंगे की आभा में आलोकित

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया

(**रमेश गुर्जर**) । स्वतंत्रता दिवस के स्वागत में क्षेत्र के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल जोगणिया माता मंदिर देशभक्ति के रंग में रंग गया। गुरुवार रात मंदिर के निज परिसर को तिरंगे के लाल, सफेद और हरे रंग की आकर्षक रोशनी से सजाया गया, जो दूर से ही मन मोह लेने वाला दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। देशप्रेम की इस अनूठी सजावट को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण पहुंचे। सभी ने तिरंगा लाइटिंग में नहाए मंदिर की भव्यता को निहारा और कैमरों में कैद कर यादगार बना लिया।

बिजोलिया में मान्यता में देरी और धमकियों से टूटा शिक्षक का हौसला, पत्नी को सुसाइड नोट भेज खाया जहर , हुई मौत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

बिजोलिया क्षेत्र में शिक्षा विभाग से जुड़े दबाव और धमकियों के आरोप के बीच एक दर्दनाक घटना सामने आई है। राणा जी का गुड्डा निवासी सूरज ब्रह्मभट्ट ने बुधवार देर रात मानसिक प्रताड़ना और धमकियों से तंग आकर विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उन्होंने पत्नी को सोशल मीडिया के जरिए भेजे सुसाइड मैसेज में बिजोलिया शिक्षा विभाग में कार्यरत संविदाकर्मी पिंटू रेगर और सरकारी शिक्षक स्कूल संचालक संजय जैन को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया और दोनों पर लंबे समय से मानसिक दबाव बनाने, धमकी देने और विद्यालय की मान्यता दिलाने में देरी के गंभीर आरोप लगाए।सुसाइड मैसेज में सूरज ने लिखा कि वह पिछले 8 साल से संजय जैन द्वारा खरीदी गई मॉडर्न

उच्च प्राथमिक विद्यालय, कास्या में कार्यरत थे। बाद में उन्होंने अपना स्वयं का विद्यालय खोलने का निश्चय किया, जिसकी मान्यता दिलाने की जिम्मेदारी सीबीईओ कार्यालय बिजोलिया में कार्यरत पिंटू रेगर ने ली। तय समय सीमा में मान्यता दिलाने का वादा करने के बावजूद पिंटू रेगर ने कार्य पूरा नहीं किया और संजय जैन ने उन पर कास्या में स्कूल चला के दिखाओ जैसी धमकियां दीं। सूरज ने यह भी लिखा कि पिंटू मान्यता प्रक्रिया की स्थिति स्पष्ट नहीं बताते थे, जिससे मानसिक दबाव लगातार बढ़ता गया।मैसेज में सूरज ने साफ लिखा– ÷मेरी मौत के जिम्मेदार यही दोनों हैं, मेरे मोबाइल में उनकी धमकियों की रिकॉर्डिंग मौजूद है। भविष्य में मेरे परिवार की जो भी हालत होगी, उसके जिम्मेदार भी यही होंगे।÷ उन्होंने पत्नी से माफी मांगते हुए बच्चों जेनी, गिन्नी और माता-पिता का ध्यान रखने की बात भी कही।घटना वाली रात पत्नी के सो जाने के बाद सूरज ने यह मैसेज भेजा और गुरुवार सुबह करीब 4 बजे घर से निकल गए। सुबह पत्नी ने मैसेज पढ़कर कॉल किया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया। परिजनों ने खोजबीन की तो वह गांव के ही एक खेत में बेहोश मिले। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।परिजनों ने इस संबंध में पुलिस को रिपोर्ट दी है। पुलिस मामले की जाँच में जुटी है ।

रिमझिम बारिश में देशभक्ति का जज्बा, बिजोलिया में एक किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया

मानव तिवाड़ी । उपखंड मुख्यालय गुरुवार को देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया, जब रिमझिम फुहारों के बीच एक किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा ने पूरे कस्बे में उत्साह का माहौल बना दिया। यात्रा का शुभारंभ विधायक गोपाल खंडेलवाल के मुख्य आतिथ्य में उपखंड कार्यालय से हुआ। गगनभेदी नारों और देशभक्ति गीतों के बीच यात्रा बूंदी रोड, बालाजी चौक, रोडवेज बस स्टैंड, तेजाजी का चौक, सब्जी मंडी मार्ग होते हुए नगर पालिका चौक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ।यात्रा के दौरान कस्बावासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर प्रतिभागियों का स्वागत किया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग–सभी तिरंगे के रंग में रंगे नजर आए। सरकारी व निजी संस्थानों के सैकड़ों विद्यार्थी हाथों में तिरंगा थामे, 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से वातावरण गुंजायमान करते रहे।?इस अवसर पर विधायक खंडेलवाल ने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे देश की एकता, अखंडता और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा, उपखंड अधिकारी अजीत सिंह, नगर पालिका पूर्व चेयरमैन पूजा चंद्रवाल, पंचायत समिति

सदस्य हितेन्द्र राजौरा, मनोज गोधा , शांतिलाल जोशी, ओम मेड़तिया, सुनील जोशी, मनोज सनाढ़य, बिट्ठल तिवाड़ी, , शेखर चन्द्रवाल, नारायण लाल माली सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

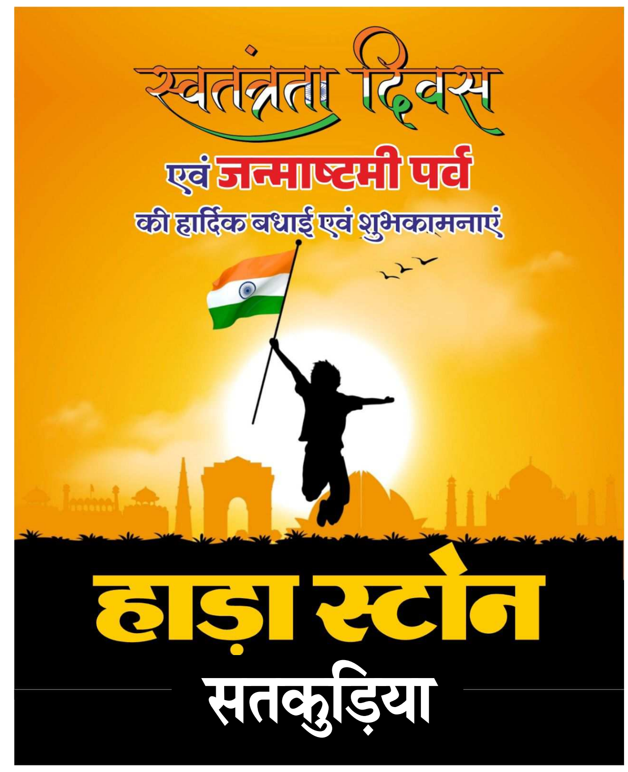

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कम्प्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।